Reg. No. 22/2002-03
NOC No. FNRC/NCTE/F-3/RJ-1050/2007/24988

Ph. 01476-231726
Mob. 9828058477

R.N.T. College of Teacher Education

Highway Road, Near Mataji Temple, KAPASAN – 312202 (Distt. - Chittorgarh)
E-mail: rntkapasan1@yahoo.co.in, Website: www.deekshacreations.org

(Approved by National Council of Teacher's Education & Affiliated to Mohan Lal Sukhdia University, Udaipur)

सादर प्रकाशनार्थ

कपासन 15 सितम्बर 2023, ''संस्कृत भाषा ज्ञान, विज्ञान एवं संस्कारों की जननी है।'' ऐसे विचार आर.एन.टी. कॉलेज ऑफ टीचर एज्यूकेशन, कपासन के शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रम के निमित्त व्यावसायिक अभिक्षमता कौशल विकास एवं शिक्षा शास्त्री सेतु पाठ्यक्रम के तहत संस्कृत सम्भाषण शिविर के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राजकीय कन्या महाविद्यालय, चित्तौडगढ संस्कृत विभाग के सहा. आचार्य श्याम सुन्दर पारीक ने कहे। आचार्य पारीक ने शिक्षा शास्त्री विद्यार्थियों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण की प्रशंसा करते हुए संस्कृत भाषा को सभी भाषा की जननी बताया। आचार्य पारीक ने कहा कि संस्कृति, संस्कार व संस्कृत एक दूसरे के पर्यायवाची हैं, व्यक्ति जैसे जैसे संस्कृत भाषा से दूर होता गया, वैसे वैसे वह अपनी संस्कृति व संस्कारों से भी दूर होता गया है। शिविर प्रशिक्षक विष्णु शर्मा ने संस्कृत को देव भाषा बताते हुए स्पष्ट किया कि संस्कृत भाषा एक प्राचीन वैज्ञानिक भाषा है जिसमें आर्युवेद, होम्योपेथ और वर्तमान एलोपेथ की सारी विधियां शास्त्रों में संकलित है। संस्कृत भारती चित्तौडगढ के सहसंयोजक विक्रम सिंह राठौड ने छात्र–छात्राओं को संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार एवं भाषा को उन्नत बनाने के लिए प्रेरित किया एवं महाभारत, रामायण व संस्कृत गीतों को सम्भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्रबन्ध निदेशक डॉ. वसीम खान ने सभी संस्कृत प्रशिक्षणार्थियों को बधाईयां देते हुए कहा कि संस्कृत व उर्दू दो ऐसी भाषाएं है जो सर्वाधिक प्राचीन है तथा सबसे ज्यादा व उन्नत साहित्य इन्हीं भाषाओं में लिखा गया है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल गोठवाल ने बताया कि कार्यक्रम शिक्षा संकाय के समस्त प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें शिक्षाशास्त्री के छात्र पूर्णेन्दु मिश्र,

अश्विनी मिश्र, छोटूलाल शर्मा, हरकलाल व गणपतलाल शर्मा द्वारा वैदिक ऋचाओं से मंगलाचरण किया गया। संस्कृत सम्भाषण शिविर में मुख्य प्रशिक्षक संस्कृत भारती के प्रचारक विष्णु शर्मा 21 दिवस तक आयोजित होने वाले शिविर के तहत प्रशिक्षणार्थियों को संस्कृत भाषा में बातचीत करना, दैनिक जीवन एवं दिनचर्या में काम आने वाली वस्तुओं फलों के नाम, सब्जियों के नाम, खाने के बर्तन, पठन सामग्री, मसालों के नाम, आभूषण आदि का संभाषण के द्वारा सिखाया जाएगा तथा समापन पर संस्कृत भाषा से सम्बन्धित साहित्य की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश कुमार लौहार ने किया। उद्घाटन समारोह में अकादमिक निदेशक शिवनारायण शर्मा, व्याख्याता पिन्टू शर्मा, शमीम बानू, जयदेव सिंह चारण, भवदेव सिंह चारण, अरविन्द राव, डॉ. मधुबाला शर्मा, विशाल लाम्बा, मनीष कुमावत, संजू सोनी, पंकज सैनी, अंकिता कुमारी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

प्राचार्य